

ध्रसाधार स

EXTRAORDINARY

भाग I]--- अण्ड 2 PART II--- Section 2 आधिकार से अकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1

नर्ष बिस्ली, शनिबार. जनवरी 16, 1971/ पौष 26, 1892

No. 1)

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 16' 1971/PAUSA 26, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ट सक्या वी जानी है जिससे कि यह धलग सकलन के रूप में रखा जा सकी। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate complistion

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Banking)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th January 1971

No. 18(6)/70/CS.—In exercise of the powers conferred by clause (xixa) of section 33 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government hereby notifies the Credit Guarantee Corporation of India Limited, a company formed and registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), as a financial institution for the purpose of the aforesaid clause.

वित्त मंत्रलय

(बंकिंग विभाग)

ग्र**धिस्**चना

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1971

संख्या 18 (6)/70/सी एस.-भारतीय स्टेट बैंक घिधिनियम, 1955 (1955 का 23वां) की घारा 33 के खण्ड (XIX के) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भार-तीय ऋण प्रत्याभूति निगम (केंडिट गारंटी कारपोरेशन ग्राफ इंडिया लिमिटेड) को जो कि कम्पनी घिधिन म, 1956 (1956 का पहला) के श्रन्तर्गत निर्मित श्रीर पंजीकृत एक कम्पनी है उपयुक्त खंड के प्रयोजन के लिए एक वित्तीय संस्था के रूप में श्रिधिम्चित करती है।

No. 18(6)/70/CS.—In exercise of the powers conferred by clause (4BB) of section 17 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby notifies the Credit Guarantee Corporation of India Limited, a company formed and registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), as a financial institution for the purpose of the aforesaid clause.

मं ० 18(6) / 70/सी ० एम०. — भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का दूसरा) की धारा 17 के खण्ड (4 ख ख) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारतीय ऋण प्रत्याभृति निगम (केडिट गारंटी कारपोरेशन श्राफ इंडिया लिमिटेड) को जो कि कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का पहला) के अन्तर्गत निर्मित और पंजीकृत एक कम्पनी है उपर्युक्त खण्ड के प्रयोजन के लिए एक वित्तीय संस्था के रूप में श्राधमुचित करती है।

No. 18(6)/70/CS.—In exercise of the powers conferred by clause (8A) of section 17 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby notifies the Credit Guarantee Corporation of India Limited, a company formed and registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), as a financial institution for the purpose of the aforesaid clause.

सं० 18(6)/70/सी० एस०.-भारतीय रिजर्व वैक ग्रिधितियम, 1934(1934 का दूसरा) की धारा 17 के खंड (8क) के द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्कारा भारतीय ऋण प्रत्याभृति निगम (क्रेडिट गारंटी कारपोरेशन ग्राफ इंडिया लिमिटेड) को जो कि कम्पनी ग्रिधि नियम, 1956 (1956 का पहला) के अन्तर्गत निर्मित और पंजीकृत एक कम्पनी है, उपर्युक्त खंड क प्रयोजन के लिए एक वित्तीय संस्था के रूप में श्रिधिसूचित करती है।

No. 18(6)/70/CS.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares,

- (a) that so much of the provisions of sub-clause (i) and sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 10 of the Banking Regulation Act, 1949, as relate to persons managing any of the banks specified in the Schedule shall not apply to a director on the board of the Credit Guarantee Corporation of India Limited, a company formed and registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956); and
- (b) that the provisions of sub-section (3) of section 19 of the said Act shall not apply to the banks specified in the Schedule hereto in so far as the said provisions relate to the holding of shares in the said Credit Guarantee Corporation of India Limited.

SCHEDULE

- (i) The State Bank of India;
- (ii) Any subsidiary bank as defined in clause (k) of section 2 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959);

- (iii) Any corresponding new bank constituted under section 3 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970);
- (iv) Any banking company as defined in clause (c) of section 5 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949).

K. RAMAMURTHY, Jt. Secy.

सं 0 18 (6) / 70/सी ० एस०. — बैंककारी विनियमन प्रिधिनयम, 1949 (1949 का 10वां) की धारा 53 द्वारा प्रदस्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा यह घोषित करती है कि (क) वैककारी विनियमन प्रिधिनयम, 1949 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपखण्ड (i) और (ii) के जितने उपबन्ध प्रमुख्ती में उल्लिखित किसी भी बैंक के प्रबन्धक व्यक्तियों ने सम्बन्धित हैं, वे भारतीय ऋण प्रत्याभृति निगम (केडिट गार्रटी कारपोरेशन आफ इंडिया निमिटेड) जो कि कम्पनी ग्रिधितयम, 1956 (1956 का पहला) के अन्तर्गत निमित और पंजीकृत एक कम्पनी है, के बोर्ड के किसी निदेश के के सम्बन्ध में लागू नहीं होंगे, और

(ख) उक्त श्रीधिनियम की धारा 19 की उपधारा (3) के उपबंध इस श्रीधसूचना की श्रमुभूची में उल्लिखित बैकों पर लागू नही होंगे जहां तक कि इस उपबन्धों का सम्बन्ध उक्त भारतीय ऋण प्रत्याभृति निगम लिमिटेड के जेयर धारण करने से हैं।

ध्रमुसू ची

- (i) भारतीय स्टेट बैंक;
- (ii) भारतीय स्टेट बैक (समनुषंगी बैंक) ग्रिधिनियम,1959 (1959 का 38वां) की धारा 2 के खंड(ट) में परिभाषित कोई समन्षंगी बैंक;
- (iii) बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का भ्रधिग्रहण ग्रौर श्रन्तरण) श्रधिनियम, 1970 (1970 का 5वां) की धारा 3 के श्रधीन गठित कोई तदनरूप नया बैंक ;
- (iv) बैंककारी विनियमन श्रिधिनयम, 1949 (1949 का 10वां) की धारा 5 के खण्ड (ग) में परिभाषित कोई बैंककारी कम्पनी ।

के० राममूर्ति, संयुक्त सचिव ।